पुनः प्रेषित प्रेस विज्ञप्ति .....

दिनांक 24.03.2021

–:: प्रेस विज्ञप्ति ::–

एसईसीएल ने दी रायगढ़ जिले के लिए 40 लाख रूपये के विकास कार्यों की स्वीकृति

अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाते हुए एसईसीएल ने रायगढ़ जिले के विभिन्न विकास कार्यों के लिए सीएसआर मद से करीब 40 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। जिले के धरमजयगढ़ आदिवासी आश्रम में कम्प्यूटर केन्द्र उपलब्ध नहीं था जिससे छात्रों को कोविड–19 के दौर में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी मांग संस्था ने राज्य शासन से भी की थी । रायगढ़ कलेक्टर के जरिये अब एसईसीएल ने सीएसआर मद से उक्त आश्रम में कम्प्यूटर भवन के निर्माण सह विद्युतीकरण के लिए 7.7 लाख की राशि स्वीकृत की है।

इसी प्रकार जिला प्रशासन के अधीन संचालित हो रहे चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में कम्प्यूटरीकरण को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से कंपनी ने कुल 14 सेंटरों के लिए डेस्कटॉप, प्रिंटर, यूपीएस सेट प्रदाय करने हेतु वित्तीय सहयोग का निर्णय लिया है। जिला प्रशासन नियमानुसार कम्प्यूटर सामग्री का क्रय करेगा। इससे चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के कामों में तेजी आएगी तथा डाटा–संग्रहण व रिकॉर्ड आसानी से संग्रहित रखे जा सकेंगे। इसमें लगभग 6.98 लाख रूपये व्यय की संभावना है। जिले के सारंगढ़ में सिल्क वर्म उत्पादन के लिए भवन निर्माण हेतु लगभग 16 लाख रूपये और थ्रेडिंग यूनिट बिल्डिंग के रिनोवेशन हेतु लगभग 9 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है जिसे जिला प्रशासन के द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।

ज्ञातव्य है कि रायगढ़ जिले में कंपनी की कई खदानें अवस्थित हैं तथा मांड–रायगढ़ क्षेत्र को भविष्य का कोयला क्षेत्र भी माना जाता है। उक्त क्षेत्र में एसईसीएल की अनुषंगी कंपनियों द्वारा रेल कॉरिडोर का निर्माण भी किया जा रहा है जिसमें माल ढुलाई के साथ–साथ यात्री परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उपरोक्त आशय की जानकारी एसईसीएल के जनसंपर्क अधिकारी सनीष चंद्र ने दी है।

जनसंपर्क अधिकारी
एसईसीएल बिलासपुर